

जनता कॉलेज बकेवर में छोटा प्रयास- बड़ी सफलता विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन

जनता कॉलेज बकेवर, इटावा के नवाचार सेल द्वारा आज दिनांक 09.10.2024 को "छोटा प्रयास - बड़ी सफलता" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विज्ञान, वाणिज्य और कृषि संकाय के सभी स्नातकोत्तर छात्र एवं संकाय सदस्य शामिल हुए। संगोष्ठी में कॉलेज द्वारा किए जा रहे नवाचार की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई तथा नए-नए नवाचार करने के लिए विभिन्न विषयों से संबंधित विशेषज्ञों द्वारा छात्रों को योजना दी गई। प्राचार्य प्रो.(डॉ) राजेश किशोर त्रिपाठी ने विज्ञान विषय में सेंसर टेक्नोलॉजी, कृषि के क्षेत्र में पोस्टहार्वैस्ट टेक्नोलॉजी, टिश्यूकल्चर, मशरूम कल्चर, बायो इंसेंटिसाइड तथा बायोपेस्टिसाइड्स आदि विषयों पर हो रहे नवाचार पर विस्तार से चर्चा की। प्राचार्य प्रो. त्रिपाठी ने सभी उपस्थित छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए नवाचारों के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नवाचार केवल तकनीकी प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के हर क्षेत्र में सुधार और विकास का माध्यम बन सकता है। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नयी खोजों और तकनीकों का उपयोग करें और समाज की समस्याओं का समाधान खोजें। नवाचार सेल के प्रभारी, डॉ. नवीन अवस्थी ने कॉलेज के छात्रों द्वारा विकसित नवीनतम नवाचारों का प्रदर्शन किया। इनमें दृष्टिहीन या गंभीर नेत्र संबंधी समस्याओं वाले व्यक्तियों के लिए विकसित इन्फ्रारेड तकनीक पर आधारित "स्मार्ट स्टिक" और तारों में प्रवाहित ए.सी. करंट को पहचानने वाली "वायरलेस करंट डिटेक्टर" डिवाइस शामिल हैं। इन उपकरणों ने छात्रों के नवाचार और रचनात्मकता का शानदार उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में पादप रोग विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. मनोज यादव ने नवाचार के क्षेत्र मशरूम की खेती के महत्त्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्ता तीन प्रकार के मशरूम को उत्तर भारत में आसानी से उठाया जा सकता है जिसमें सर्दियों में बटन मशरूम, गर्मियों में दूधिया मशरूम, तथा पूरे वर्ष ओयस्टर मशरूम को उगा सकते हैं। मशरूम को फसल के अवशेष पर बहुत ही आसानी से उगाया जा सकता है फसलों के अवशेष का अच्छी तरह से उपयोग किया जा सकता है और वातावरण के प्रदूषण होने पर बचाया जा सकता है। डॉ. यादव ने बताया कि मशरूम उगाने से युवाओं तथा छोटे किसानों को एक अतिरिक्त आय स्रोत मिल जाता है जिसको किसी छोटी नियंत्रित क्षेत्र जैसे कमरे में, झोपड़ी में उगा सकते हैं। जूलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) ललित गुप्ता ने बायोसेंसर और तालाबों में मछली पालन से जुड़े नवाचारों पर चर्चा की। डॉ. गुप्ता ने डायबिटीज रोगियों के लिए एक बायो सेंसर पर आधारित रिस्ट बैंड बनाने तकनीक पर विस्तार से चर्चा की, जो रक्त में शर्करा की मात्रा के स्तर माप कर स्वतः रोगी को सचेत कर देगा। उन्होंने पेटेंट्स के महत्त्व और उनके द्वारा नवाचारों की सुरक्षा एवं आर्थिक लाभ के बारे में विस्तार से बताया। वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. योगेश शुक्ला नवाचार के व्यवसायीकरण तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने छात्रों को विभिन्न सेवाओं के क्षेत्र में मोबाइल एप बनाकर नवाचार करने के लिए प्रेरित किया। गणित विभाग के डॉ. दिव्यांश पांडे ने नवाचार में हो रहे गणित के उपयोग के बारे में बताया। कार्यक्रम के

अंत में, नवाचार सेल के प्रभारी, डॉ. नवीन अवस्थी ने सभी प्रतिभागियों और स्टाफ सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख प्रोफेसरों में नवाचार सेल के समन्वयक प्रो.(डॉ.) ए.के. पांडेय, डॉ. नलिनी शुक्ला, डॉ. एम.पी. यादव, डॉ. एम.पी. सिंह, डॉ. ज्योति भदोरिया डॉ. प्रकाश दुबे, डॉ. इंदु बाला मिश्रा, डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. योगेश शुक्ला, डॉ. आनंद सिंह, अजीत प्रताप अग्निहोत्री, सत्यार्थ प्रकाश मौर्य, डॉ. शैली यादव आदि उपस्थित रहे।

Janta College Bakewar, Etawah(U.P)



Seminar On
“छोटे प्रयास-बड़ी सफलता”

09-10-2024

Dr. Naveen Awasthi
Incharge, Innovation Cell

DR. Rajesh Kishor Tripathi
Principal



नवाचार से हर क्षेत्र में सुधार संभव

संवाददाता, बकेवर

अमृत विचार। जनता कालेज में नवाचार सेल की तरफ से संगोष्ठी हुई। संगोष्ठी में नवाचार की प्रगति पर चर्चा की गई। नए-नए नवाचार करने के लिए विभिन्न विषयों से संबंधित विशेषज्ञों की तरफ से छात्रों को योजना दी गई।

प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी ने सेंसर टेक्नोलॉजी, कृषि के क्षेत्र में पोस्टहावैस्ट टेक्नोलॉजी, टिश्यूकल्चर, मशरूम कल्चर, बायो इंसेंटीसाइड तथा बायोपेस्टिसाइड्स आदि विषयों पर हो रहे नवाचार पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि नवाचार केवल तकनीकी प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के हर क्षेत्र में सुधार और विकास का माध्यम बन सकता है। नवाचार सेल के प्रभारी डा नवीन अवस्थी ने कॉलेज के छात्रों के विकसित नवीनतम नवाचारों का प्रदर्शन किया।

पादप रोग विज्ञान विशेषज्ञ डा मनोज यादव ने नवाचार के क्षेत्र मशरूम की खेती के महत्व के बारे



संगोष्ठी को संबोधित करते प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी।

6

जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये मुख्यतः तीन प्रकार के मशरूम को उत्तर भारत में आसानी से उठाया जा सकता है, जिसमें सर्दियों में बटन मशरूम, गर्मियों में दूधिया मशरूम, तथा पूरे वर्ष ओयस्टर मशरूम को उगा सकते हैं। मशरूम को फसल के अवशेष पर बहुत ही आसानी से उगाया जा सकता है। जुलाजी विभाग के अध्यक्ष प्रो ललित गुप्ता ने बायो सेंसर और तालाबों में मछली पालन से जुड़े नवाचारों पर चर्चा की। वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डा योगेश शुक्ला नवाचार के व्यवसायीकरण तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने छात्रों को विभिन्न सेवाओं

के क्षेत्र में मोबाइल एप बनाकर नवाचार करने के लिए प्रेरित किया। गणित विभाग के डॉ. दिव्यांश पांडे ने नवाचार में हो रहे गणित के उपयोग के बारे में बताया। नवाचार सेल के प्रभारी डॉ. नवीन अवस्थी ने सभी प्रतिभागियों और स्टाफ सदस्यों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर नवाचार सेल के समन्वयक प्रो. एके पांडेय, डा नलिनी शुक्ला, डा. एमपी यादव, डा. एमपी सिंह, डा. ज्योति भदौरिया, डा, प्रकाश दुबे, डा. इंदुबाला मिश्रा, डा. आदित्य कुमार, डा योगेश शुक्ला, डा आनंद सिंह, अजीत प्रताप अग्निहोत्री, सत्यार्थ प्रकाश मौर्य, डॉ शैली यादव आदि उपस्थित रहे।

नई तकनीक से है समस्या का समाधान-प्राचार्य

बकेवर। जनता कॉलेज में नवाचार सेल की ओर से छोटा प्रयास बड़ी सफलता विषय पर संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम में विज्ञान, वाणिज्य और कृषि संकाय के स्नातकोत्तर छात्र व संकाय सदस्य शामिल हुए।

संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञों ने छात्रों को योजनाओं की जानकारी दी।

प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी ने विज्ञान विषय में सेंसर टेक्नोलॉजी, कृषि में पोस्ट हावैस्ट टेक्नोलॉजी, टिश्यूकल्चर, मशरूम कल्चर, बायो इंसेंटीसाइड व बायो पेस्टिसाइड्स पर हो रहे शोधों पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शोध केवल तकनीकी प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के हर क्षेत्र में सुधार और विकास का माध्यम बन सकता है।

छात्रों को प्रोत्साहित किया कि वह अपने क्षेत्रों में नई तकनीकों का उपयोग करें और समस्याओं का समाधान खोजें। नवाचार सेल के प्रभारी डॉ. नवीन अवस्थी ने कॉलेज के छात्रों के विकसित नवीनतम नवाचारों का प्रदर्शन किया। इनमें दृष्टिहीन नेत्र रोगी के लिए विकसित इन्फ्रारेड तकनीक पर आधारित स्मार्ट स्टिक और तारों में प्रवाहित एसी करंट को पहचानने वाली डिवाइस शामिल हैं।

इस मौके पर न प्रो. एके पांडेय, डा. नलिनी शुक्ला, डा एमपी सिंह, डा प्रकाश दुबे, डा इंदु बाला मिश्रा, डा आदित्य कुमार, डा शैली यादव मौजूद रहे। (संवाद)